web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 02 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 07

महत्वपूर्ण एवं खास

लूट की नियत से पलटाने वाले थे ट्रेन, पटरी के बीच रखा था लोहे का टुकड़ा; 2 गिरफ्तार

बोटाद (आरएनएस)। गुजरात के बोटाद जिले में एक हैरान करने वाले मामले में, एक यात्री ट्रेन को पटरी से पलटाने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इसके पीछे बड़ा नुकसान पहुंचाने की साजिश की आशंका जताई थी। पुलिस ने इस मामले में लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 25 सितंबर को कुंडली गांव के पास रेलवे ट्रैक पर एक लोहे का टुकड़ा रखा गया था, जिससे ओखा-भावनगर पैसेंजर ट्रेन टकरा गई थी। इस घटना के पीछे लूटपाट की मंशा थी। आरोपियों ने योजना बनाई थी कि ट्रेन पटरी से पलटने के बाद वे यात्रियों को लूट लेंगे। बोटाद के पुलिस अधीक्षक किशोर बलोलिया ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने घटनास्थल के पास से ही एक लोहे का टुकड़ा उखाडक़र रेलवे ट्रैक पर रख दिया था। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को अड़ोव गांव से गिरफ्तार किया है। यह घटना रेलवे सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है।

बलिया में ट्रेन से पत्थर टकराने की घटना के बाद रेलवे ने बढ़ाई सुरक्षा, जागरूकता अभियान पर जोर

बलिया (आरएनएस)। बकुल्हा-मांझी रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से पत्थर टकराने की घटना के बाद रेलवे की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। रेलवे ने ट्रैक की निगरानी बढ़ा दी है और आसपास के लोगों को भी इस बारे में जागरूक किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की साजिशों के मद्देनजर रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता को और कड़ा कर दिया है। बलिया में लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस ट्रेन से पत्थर टकराने की घटना के बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस घटना ने रेलवे अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के लिए प्रेरित किया, जिससे ट्रैक की पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। ट्रैक के आसपास रहने वाले लोग भी इस मुद्दे पर सहमति जता रहे हैं। उनका कहना है कि रेलवे सभी के लिए है, और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सभी की है। स्थानीय लोगों के सहयोग से सुरक्षा एजेंसियां अब ट्रैक के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रही हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दिल्ली एयरपोर्ट पर महिला यात्री से 26 आईफोन 16 प्रो मेक्स बरामद

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला यात्री को 26 आईफोन 16 प्रो मेक्स के साथ पकड़ा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला यात्री हांगकांग से दिल्ली आ रही थी। कस्टम अधिकारियों ने जब महिला यात्री के सामान की जांच की तो उसके वैनिटी बैग से टिश्यू पेपर में लिपटे 26 आईफोन 16 प्रो मेक्स बरामद हुए। महिला यात्री से पूछताछ की जा रही है और इस मामले में कस्टम विभाग ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह संभावना है कि महिला यात्री इन आईफोन को भारत में बिना कस्टम ड्यूटी दिए बेचना चाहती थी। भारत में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर काफी अधिक कस्टम ड्यूटी लगती है, जिसके कारण लोग अक्सर इस तरह से तस्करी करते हैं। यह घटना कस्टम विभाग की सतर्कता को दर्शाती है। कस्टम विभाग लगातार इस तरह की गतिविधियों पर नजर रखता है और तस्करों को पकडऩे के लिए लगातार प्रयास करता रहता है।

महिलाओं के लिए सरकार की बड़ी सौगात, पुलिस में मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण; नोटिफिकेशन जारी

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 33त्न आरक्षण की घोषणा की है। यह फैसला राज्य की महिलाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। राज्य सरकार ने राजस्थान पुलिस सबऑर्डिनेट सर्विस रूल्स 1989 में संशोधन करते हुए यह फैसला लिया है। इस संशोधन के अनुसार, पुलिस भर्ती में मिलने वाले कुल 33प्रतिशत आरक्षण में से एक तिहाई हिस्सा विधवा और विवाह विच्छिन्न महिलाओं को दिया जाएगा। इन दोनों श्रेणियों के बीच आरक्षण का अनुपात 80.20 होगा। यानी, विधवा महिलाओं को 80 % और विवाह विच्छिन्न महिलाओं को 20 % आरक्षण मिलेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायु वीर विजेता रैली को दिखाई हरी झंडी

7000 किमी का सफर तय करेंगे वायु योद्धा

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपनी 92वीं वर्षगांठ मनाने जा रही है। इस विशेष अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को वायु वीर विजेता रैली को दिल्ली से रवाना किया। रैली लद्दाख के थोइस से अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक 7000 किलोमीटर लंबी तय करेगी। इस अवसर पर वायुसेना के एयर चीफ मार्शल अमनप्रीत सिंह समेत तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

साथ ही दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज प्रवीण खंडेलवाल कमलजीत सेहरावत भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायु सेना के जवानों को भी संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे वायु वीर, आप सभी को मेरा नमस्कार। भारतीय वायुसेना विविधता, पराक्रम और बेहतरीन ऊंचाइयों के लिए जानी जाती है। हमें सर्वोच्च ऊंचाइयों को पार कर सदैव विजय रहना है। वायु वीरों के स्पर्श से ही भारतीय सेवा विजेता रहती है। गगन वीर, वायु वीर सेवा के आगे अपना सर झुकाता है।

उन्होंने वायुसेना की उपलब्धियों पर जोर देते हुए कहा कि वायुसेना ने देश की सुरक्षा और नागरिकों को हर आपदा से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वायु वीर लंबे समय से देश की सेवा कर रहे हैं। आकाशीय सेना ने रक्षा में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं और यह दिखाया है कि दुश्मन को सबक सिखाने के लिए हम उसके घर में भी जवाब दे सकते हैं। हमारी सरकार ने वायु सेना को और सक्षम करने के साथ-साथ आधुनिक युद्धक विमानों से लैस करने का काम किया है और आगे भी करेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि इस रैली का उद्देश्य युवाओं को सेना के प्रति आकर्षित करना और वायु सेना के बारे में सही जानकारी देना है। वायुसेना की यह मुहिम अच्छे परिणाम देगी, ऐसा मुझे भरोसा है।

जानकारी के मुताबिक मेगा कार रैली में महिलाओं समेत 52 वायु योद्धा शामिल होंगे। वायु योद्धा 16 पड़ावों पर रुकेंगे, जहां वे विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों के साथ बातचीत करेंगे। भारतीय वायुसेना का एडवेंचर सेल इस रैली का नेतृत्व कर रहा है।

बिहार के भागलपुर में अचानक हुआ बम ब्लास्ट, 7 बच्चे घायल; खेलने के दौरान हुआ हादसा,जांच जारी

भागलपुर । आरएनएस

बिहार के भागलपुर जिले में एक बड़ा हादसा हुआ जब खेलते वक्त अचानक एक बम फटने से 7 बच्चे घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब बच्चे गली में खेल रहे थे। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है और इलाके को घेर लिया गया है।

भागलपुर स्स्क्क आनंद कुमार ने बताया, ...हबीबपुर थाना क्षेत्र में कुछ बच्चे खेल रहे थे जहां एक विस्फोट हुआ जिसमें कुल 7 बच्चे घायल हुए हैं। 4 बच्चों को मामूली चोट आई है लेकिन 3 बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी है... घटनास्थल का मुआयना किया गया है... यह किस प्रकार का बम था और कितना शक्तिशाली था यह जांच के बाद पता चलेगा... यदि किसी विस्फोट का इस्तेमाल किया गया है तो वो किसने बनाया या कहां से आया इस पर भी जांच की जा रही है... अभी जो बताया गया है उसके अनुसार किसी के घर से सामान लाकर बच्चे खेल रहे थे जिसमें विस्फोट हुआ है... स्ढ्ढञ्ज जांच कर रही है और हम मामले के पूरी तह में जाएंगे। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर में आदमखोर पैंथर का आतंक, गोली मारने के आदेश जारी

उदयपुर । आरएनएस

जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में आदमखोर पैंथर के हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताज़ा घटना में मंगलवार सुबह केलवो का खेड़ा गांव में एक महिला कमला कुंवर (55) की पैंथर ने गर्दन दबोचकर हत्या कर दी। महिला अपने घर के आंगन में काम कर रही थी, जब लेपर्ड ने उस पर हमला किया और उसे 100 मीटर तक घसीट कर ले गया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर पैंथर भाग खड़ा हुआ, लेकिन महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इसके पहले, इसी थाना क्षेत्र में एक पुजारी विष्णु गिरी (65) की भी लेपर्ड ने हत्या कर दी थी।

बीते 12 दिनों में 8 लोगों की मौत हो चुकी है, और प्रशासन की तमाम कोशिशों के बावजूद आदमखोर पैंथर को पकड़ा नहीं जा सका। ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश के बाद मुख्य वन संरक्षक पवन कुमार उपाध्याय ने पैंथर को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं।

वन विभाग ने अब तक चार लेपर्ड पकड़े हैं, जिनमें से दो के दांत टूटे और घिसे हुए थे, लेकिन हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे-27 को जाम करने की कोशिश की, लेकिन एसपी योगेश गोयल की समझाइश के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। ग्रामीण महिला का शव उठाने से इनकार कर रहे हैं, जब तक लेपर्ड को मार नहीं दिया जाता।

वन मंत्री संजय शर्मा ने दावा किया है कि सेना की मदद से आज शाम तक आदमखोर पैंथर को ढूंढकर मार दिया जाएगा।

मां की हत्या कर बेटा खा गया अंग-अंग, खाने के लिए पका रहा था दिल

❑ हाईकोर्ट ने नहीं की रहम

नई दिल्ली । आरएनएस

मां की हत्या कर उसके अंग-अंग खाने के मामले को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपराधी को दी गई मौत की सजा बरकरार रखते हुए कहा कि यह नरभक्षण का मामला है। इस सजा के खिलाफ कुचकोरवी ने हाई कोर्ट में अपील की थी।

सुनील कुचकोरवी नाम के अपराधी को कोल्हापुर की जिला अदालत ने 2017 में मां की जघन्य हत्या करने और उसके अंगों को कथित तौर पर खाने के मामले में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी और कहा था कि यह नरभक्षण का मामला है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने फैसला सुनाया कि यह मामला 'दुर्लभतम में से दुर्लभतम' है, जिसमें दोषी के सुधार की कोई संभावना नहीं है। इसलिए उसकी मौत की सजा कम नहीं की जा सकती है। अदालती कार्यवाही के दौरान सात साल पहले हुए अपराध की खौफनाक कहानी भी कोर्टरूम में सुनाई गई, जिसमें बताया गया कि दोषी करार दिए गए कुचकोरवी ने न केवल अपनी 63 वर्षीय मां यल्लामा रामा कुचकोरवी की हत्या की, बल्कि उसने मां की लाश के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उसके मस्तिष्क, हृदय, यकृत, गुर्दे और आंतों सहित कई अंगों को पकाकर खाया था। कथित तौर पर दोषी को तब पकड़ा गया था, जब वह मां की लाश से दिल निकालकर उसे पकाने की तैयारी कर रहा था। अभियोजन पक्ष ने बताया कि जब सुनील कुचकोरवी की मां ने शराब खरीदने के लिए उसे पैसे देने से इनकार कर दिया था, तब उसने मां की खौफनाक तरीके से हत्या कर दी थी।

मां की नृशंस हत्या और खौफनाक तरीके से लाश को टुकड़े-टुकड़े कर अंग खाने की कहानी जानकर हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से दुर्लभतम श्रेणी में आता है। पीठ ने कहा कि दोषी ने न केवल अपनी मां की हत्या की है बल्कि उसके अंगों को पकाकर खाया भी है, जो जघन्य अपराध की श्रेणी में आता है। हाई कोर्ट ने कहा कि अपराधी की प्रवृतियों को देखते हुए नहीं लगता कि उसमें सुधार के कोई लक्षण हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर इसकी मौत की सजा कम कर आजीवन कारावास में तब्दील की जाती है, तब भी वह इसी तरह के अपराध कर सकता है। लॉ ट्रेंड की रिपोर्ट के मुताबिक, खंडपीठ ने दो-टूक लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस अपराधी को आजीवन कारावास की सजा दी जाती है तो यह जेल के अंदर भी इसी तरह का अपराध कर सकता है। फिलहाल कुचकोरवी पुणे की यरवदा जेल में बंद है। उसे वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया था।

बुलडोजर एक्शन पर लगी अंतरिम रोक रहेगी जारी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर एक्शन पर लगी अंतरिम रोक को फिलहाल जारी रखने का निर्णय लिया गया है। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर 1 अक्टूबर तक की अंतरिम रोक लगाई थी, जिसे अब आगे भी जारी रखने का आदेश दिया गया है।उसने कहा कि गैरकानूनी कब्जा, अतिक्रमण हटाने पर कोई रोक नहीं है. बुलडोजर की कार्रवाई पर लगी अंतरिम रोक जारी रहेगी. वह फैसले में बुलडोजर कार्रवाई पर राष्ट्रीय स्तर पर एकरूपता लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करेगा. उसने यह भी कहा कि कब्जे के खिलाफ कार्रवाई के आड़े धार्मिक स्थल भी नहीं आने चाहिए. इस अदालत का पहले ही इस मुद्दे पर फैसला है

इस मामले की सुनवाई जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच कर रही है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने 1 अक्टूबर तक बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया था, लेकिन अब इस मामले में विस्तृत दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यूपी, मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार की ओर से पेश होते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि बुलडोजर कार्रवाई को लेकर पूरे देश के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जाएंगे। उन्होंने इसके लिए कुछ सुझाव भी पेश किए।

जस्टिस गवई ने स्पष्ट किया कि यदि सार्वजनिक सडक़, जल निकाय, या रेलवे लाइन पर कोई अनधिकृत निर्माण होता है, तो सरकार कदम उठा सकती है। लेकिन अदालत ने जोर दिया कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं, और यह दिशानिर्देश पूरे देश में समान रूप से लागू होंगे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह इस मामले को किसी धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं देख रहे हैं। उन्होंने वास्तविक उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ मामलों से पूरे देश में कानून नहीं बन सकता, और यह ध्यान रखना चाहिए कि अनधिकृत निर्माण के मामले जटिल होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैध नोटिस की सेवा आवश्यक है। जस्टिस गवई ने कहा कि नोटिस का डिजिटल रिकॉर्ड होना चाहिए ताकि अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आरोपी या दोषी होने के आधार पर विध्वंस की कार्रवाई नहीं की जा सकती।

जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि देश में विध्वंस की संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगभग 4.5 लाख रही है। सॉलिसिटर जनरल ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि ये आंकड़े केवल 2 प्रतिशत मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन याचिकाकर्ताओं की ओर से यह दलील दी गई कि नोटिस प्रक्रिया के दौरान गवाहों की उपस्थिति जरूरी होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना कोर्ट की अनुमति के बुलडोजर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। हालांकि, यदि कोई सार्वजनिक स्थान जैसे सडक़, फुटपाथ, या जल निकाय पर अनधिकृत निर्माण होता है, तो सरकार कार्रवाई कर सकती है। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने का वादा किया कि उसका आदेश अतिक्रमणकारियों की सहायता न करे, बल्कि न्याय के हित में हो।

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को लगी गोली, रिवॉल्वर साफ करते समय हुआ हादसा

मुंबई । आरएनएस

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बॉलीवुड अभिनेता गोली लगने से जख्मी हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक लाइसेंसी रिवॉल्वर साफ करते समय गलती से उनके घुटने में गोली लग गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है।

यह घटना मंगलवार सुबह 4.45 बजे के आसपास की बताई जा रही है। पुलिस के कुछ सूत्रों के मुताबिक गोविंदा अभी आईसीयू में भर्ती हैं। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। अस्पताल की ओर से अभी इस घटना को लेकर किसी तरह का अपडेट जारी नहीं किया गया है। गोविंदा के परिवार का कहना है कि वे जल्द ही इस बारे में बयान जारी करेंगे। मुंबई पुलिस के मुताबिक, गोविंदा की लाइसेंसी रिवॉल्वर से गलती से गोली चल गई, जो उनके पैर में जा लगी। गोविंदा बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे कि तभी वह अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर को चेक कर रहे थे। इस बीच गलती से मिसफायर हो गया। गोली उनके घुटनों के पास लगी है और फिलहाल उनका इलाज मुंबई के सिटी केयर अस्पताल में चल रहा है। हालांकि गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने कहा, ' डॉक्टरों ने गोली निकाल दी है और उनकी हालत ठीक है। वे अभी अस्पताल में हैं।

बंगाल में जूनियर डॉक्टरों का 'हल्लाबोल', फिर हड़ताल का किया एलान; बोले-सरकार का रवैया सही नहीं

कोलकाता । आरएनएस

आरजी कर मामले में जल्द न्याय सहित कई मांगों को लेकर जूनियर डॉक्टर फिर से पूर्ण हड़ताल पर चले गए। आज सुबह से राज्य के सभी अस्पतालों में जूनियर डाक्टरों की हड़ताल शुरू हो गई। डॉक्टरों ने राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है। जूनियर डॉक्टर 42 दिनों के विरोध प्रदर्शन के बाद 21 सितंबर को आंशिक रूप से सरकारी अस्पतालों में अपनी ड्यूटी पर वापस आ गए थे। वे 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ऑन-ड्यूटी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार-हत्या के विरोध में काम बंद आंदोलन पर थे।

आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि सुरक्षा और संरक्षा की हमारी मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं दिख रहा है। डॉक्टर ने कहा कि आज विरोध का 52वां दिन है और हम पर अभी भी हमले किए जा रहे हैं और सीएम ममता बनर्जी के साथ बैठकों के दौरान किए गए अन्य वादों को पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में हमारे पास आज से पूर्ण काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। डॉक्टरों ने कहा कि जब तक राज्य सरकार की ओर से हमारी मांगों पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह पूर्ण हड़ताल जारी रहेगी।

ऑनलाइन आईफोन ऑर्डर किए, पेमेंट करने के लिए घर बुलाया; फिर डिलीवरी बॉय को उतारा मौत के घाट

लखनऊ । आरएनएस

फिल्पकार्ट से कैश ऑन डिलीवरी में डेढ़ लाख रुपए के दो मोबाइल फोन मंगवाकर लखनऊ में डिलीवरी ब्वॉय की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस हत्या का खुलासा यूपी पुलिस ने किया है। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक दो आईफोन ऑर्डर में मंगाए गए थे। 23 सितंबर को डिलीवरी ब्वॉय भरत साहू से फोन लेने के बाद पैसे देने के के लिए घर के अंदर खींचकर गला दबाकर हत्या कर दी गई और फिर शव को बोरे में बंद करके इंदिरा नहर में बहा दिया गया। शव अभी बरामद नहीं हुआ है। एसडीआरएफ टीम नहर में शव को खोज रही है।

लखनऊ के पुलिस उपायुक्त शशांक सिंह के मुताबिक 32 साल के भरत मूल रूप से अमेठी के जामो संभई गांव के रहने वाले थे। लखनऊ में पत्नी के साथ सतरिख रोड पर किराए पर रहते थे। भरत का छोटा भाई निशातगंज में रहता है। भरत फ्लिपकार्ट में डिलीवरी ब्वॉय की नौकरी करते थे। चिनहट थाना इलाके से तकरोही के आरोपी गजानन ने डेढ़ लाख रुपये कीमत के दो मोबाइल फोन आर्डर किए थे। भुगतान कैश ऑन डिलीवरी होना था। 23 सितंबर को भरत डिलीवरी लेकर दोपहर को तकरोही में आरोपी गजानन के घर पहुंचा।

गजानन को मोबाइल देकर भरत ने उसे भुगतान करने को कहा। गजानन ने भरत को घर के अंदर खींच लिया और उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात के बाद गजानन ने शव बोरे में भरकर घर में रख दिया। शव को ठिकाने लगाने के लिए गजानन ने दोस्त आकाश को बुलाया। ये लोग शव को कार में लेकर इंदिरा नहर के पास गए और उसे नहर में फेंक दिया। दोनों ने घर लौटकर नहाया और कपड़े बदले। अगली सुबह गजानन घर से भाग गया। उधर, भरत के नहीं लौटने और मोबाइल के डेढ़ लाख रुपये जमा न होने पर देर शाम फ्लिपकार्ट के मैनेजर ने भरत को फोन किया लेकिन मोबाइल बंद था। कंपनी ने उसके संपर्क किया तो पता चला कि वो घर भी नहीं लौटा है। सबने खोजबीन की पर कुछ पता नहीं चला। फिर 25 सितंबर को चिनहट थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने भरत के फोन के कॉल डिटेल्स चेक किए तो आखिरी फोन गजानन को मिला। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में आकाश को पकड़ा तो उसने सारी कहानी बता दी। उसने बताया कि गजानन ने हत्या की और उसकी मदद से शव इंदिरा नहर में फेंका है। गजानन की तलाश में पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं।